हिन्दी (HINDI) – XII (100 अंक), 2012

समय : 3 घंटा 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश : पूर्ववत्

1. I. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें। 5×1=5

(i) जिस पुरुष में नारीत्व नहीं ....है। (पशु/अपूर्ण)

(ii) यह भी हमारी तरह .... आदमी है। (एक/दो)

(iii) राष्ट्रगीत में भला कौन वह भारत ...... है। (जन-गण-मन/भाग्य विधाता)

(iv) पंचायती राज में जैसे खो गए ....। (हमारे ईश्वर/पंच परमेश्वर)

(v) जागिए .... कुँवर, कँवल कुसुम फूले। (घनश्याम/ब्रजराज)

II. सही जोड़े का मिलान करें। 5×1=5

(i) उषा	(क) एक कहानी (अज्ञेय)
(ii) प्यारे नन्हें बेटे	(ख) विनोद कुमार शुक्ल
(iii) शिक्षा	(ग) जे० कृष्णमूर्ति
(iv) रोज	(घ) जयशंकर प्रसाद
(v) तुमुल कोलाहल कलह में	(ङ) शमशेर बहादुर सिंह

III. निम्नलिखित प्रश्नों के बहुवैकल्पिक उत्तरों में से सही उत्तर दें— 5×1=5

(i) 'ज्ञानेन्द्रपति' की कविता का शीर्षक है—

(क) गाँव का घर (ख) हार-जीत

(ग) नन्हें बेटे को (घ) कविता

(ii) **अपने पदों में कृष्ण के बाल रूप का वर्णन किस कवि ने किया?**

(क) तुलसीदास (ख) नाभादास (ग) सूरदास (घ) भूषण।

(iii) **जयप्रकाश नारायण के भाषण के अंश का शीर्षक है—**

(क) ओ! सदानीरा (ख) संस्मरण

(ग) अर्द्धनारीश्वर (घ) प्रगति और समाज।

(iv) **'जूठन' किस विधा में लिखा गया है?**

(क) कहानी (ख) संस्मरण (ग) आत्मकथा (घ) निबन्ध।

(v) **मलिक मुहम्मद जायसी किस शाखा के कवि है?**

(क) प्रेममार्गी (ख) राममार्गी (ग) ज्ञानमार्गी (घ) कृष्णमार्गी।

2. सप्रसंग व्याख्या करें। **2×5=10**

(क) घर पर देखकर ही क्या करना है कुंती। मानक आए तो कुछ हो भी। तुझे पता ही है, आजकल लोगों के हाथ कितने बँधे हैं।

अथवा, वसुन्धरा भोगी मानव और धर्मांध मानव एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

अथवा, कितने क्रूर समाज में रह रहे हैं हम, श्रम का कोई मोल नहीं ताकि निर्धनता के बरकरार रखने का षड्यन्त्र ही था यह सब।

(ख) भावार्थ लिखें—

पूरब पश्चिम से आते हैं
नंगे बूचे एवं कंकाल
सिंहासन पर बैठा उनके
तमगे कौन लगाता है।

अथवा, भगति विमुख जे धर्म सो सब अधर्म करि गए।

3. भक्तिकाल की समान्य प्रवृतियों का वर्णन करें।

4. संक्षेपण करें— **4**

किसी राष्ट्र या जाति में संजीवनी शक्ति भरने वाला साहित्य ही है। इसलिए यह सर्वतोभावने संरक्षणीय है। सब कुछ खोकर यदि हम इसे बचाए रखेंगे तो फिर इसी के द्वारा हम सब कुछ पा भी सकते हैं। इसे खोकर यदि बहुत कुछ पा भी लेंगे तो फिर इसे कभी पा न सकेंगे। कारण यह हमारे पूर्वजों का चिर संचित ज्ञान वैभव ही साहित्य हैं। अनयान्य लौकिक वैभव नश्वर है, यह अविनाशी है। इसलिए इसका जो पल्ला पकडे रहेगा, वह अमर होगा।

5. I. 'ता' प्रत्यय से पाँच शब्द बनाएँ। $5\times1=5$

II. वचन बदल कर लिखें— $5\times1=5$

खिड़की, कपड़ा, मंत्री, महिलाएँ, देश।

III. निम्न पंक्तियों से विशेषण चुनें— $5\times1=5$

गहरी काली छायाएँ पसारकर
खड़े हुए शत्रु का काले से पहाड़ पर
काला काला दुर्ग एक
जन शोषक शत्रु एक।

IV. समास के नाम बताएँ— $5\times1=5$

राष्ट्रपिता, नवनिधि, लोटा-डोरी, पीताम्बर, देशभक्ति।

6. **किन्हीं पाँच लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर 60 शब्दों में दें—** $5\times2=10$

(क) भ्रष्टाचार की जड़ क्या है? क्या आप जे०पी० से सहमत हैं? इसे दूर करने के क्या सुझाव देंगे?

(ख) चम्पारण क्षेत्र में बाढ़ की प्रचण्डता के बढ़ने के क्या कारण हैं?

(ग) विशनी मानक को लड़ाई में क्या भेजती है?

(घ) अगर हममें वाक्‌शक्ति न होती तो क्या होता?

(ङ) पुंडलीक जी कौन थे?

(च) पुत्र के लिए माँ क्या--क्या करती है?

(छ) आचार्य रामाचन्द्र शुक्ल के काव्य आदर्श क्या थे? पाठ के आधार पर स्पष्ट करें।

7. **किन्हीं दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर 120 शब्दों में दें—** $2\times10=20$

(क) 'तिरिछ' पाठ का सारांश लिखें।

अथवा, 'जूठन' का सारांश लिखें।

अथवा, 'रोज' कहानी को अपने शब्दों में लिखें।

(ख) 'जन जन का चेहरा एक' कविता का सारांश लिखें।

अथवा, पहले फड़बक में व्यञ्जित जायसी के आत्मविश्वास का परिचय अपने शब्दों में दें।

8. **किसी एक पर निबन्ध लिखें—** **10**

(क) समय का सदुपयोग (ख) शिक्षा और आजीविका

(ग) प्रदूषण (घ) राष्ट्रभाषा हिन्दी

(ङ) शरद् ऋतु/ठंढ का मौसम (च) पुस्तकालय।

9. किसी विशेष कार्यक्रम की सराहना करते हुए दूरदर्शन निदेशक को पत्र लिखें। **6**

अथवा, पिता को अपनी परीक्षा के तैयारी से अवगत कराते हुए पत्र लिखें।